अनुलग्नक

अनुलग्नक

विज्ञापनों की सामग्री से उद्धरण/टी.वी. क्लिप्स से स्नेपशॉटस

(पैराग्राफ 2.2.2.1 को देखें)

पैराग्राफ 2.2.2.1(i)

(क) जून 2015 में प्रसारित टीवी क्लिप

पीछे से एक आवाज में कहता है – *''रोज टीवी देखते है तो ऐसा लगता है जैसे सारे बेईमान इकट्ठे हो गए। केजरीवाल के हाथ धो कर पीछे पड़े है''* और प्रार्थना करता है – *''रोज भगवान से दुआ माँगती हूँ, भगवान हमारे अरविंद को सलामत रखे''*

(ख) जुलाई 2015 में प्रसारित टीवी क्लिप

'भष्ट्राचारियो की साजिशों के बावजूद "केजरीवाल सरकार" ने रचा इतिहास' तथा *'ये है केजरीवाल सरकार का वादा जो कहा वो किया'*

पैराग्राफ 2.2.2.1(iii)(घ)

दिनांक 1 मार्च 2016 के डेली एक्सेलसियर में विज्ञापन का सार

अधिकारियों को परेशान करना, सरकार बिगाड़ने के लिए सीबीआई का दुरूपयोग

(विज्ञापन के पहले चार पैराग्राफ नीचे उद्धृत किये गये है।)

केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) के घोर दुरूपयोग में, भाजपा शासित केन्द्रीय सरकार ने स्पष्टतया वित्त मंत्री अरूण जेटली को बचाने के लिए आप शासित दिल्ली सरकार पर एजेंसी प्रतिवर्ती किया जो दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ में आरोपित वित्तीय अनियमितताओं के केन्द्र में है।

15 दिसम्बर को प्रातः करीब 9:00 बजे सी बी आई अधिकारी दिल्ली सचिवालय में घुसे और करीब 20 मिनट के बाद जाँचकर्ता दिल्ली के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री. राजेन्द्र कुमार के कार्यालय में थे जो कि सी एम ओ के प्रांगण में स्थित है। सी बी आई अधिकारियों ने पूरे तल को सील कर दिया।

इन सभी में सबसे आश्चर्यजनक तथ्य था कि जब सीबीआई ने मुख्यमंत्री के कार्यालय पर छापा मारा, बहुत सक्रिय थी, कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण मामलों पर जैसे भाजपा शासित मध्यप्रदेश में व्यापम तथा राजस्थान में ललित गेट जिसमें भाजपा मुख्य मंत्रियों और आरएसएस के कुछ सदस्यों के शामिल होने का विश्वास है पर विशिष्ट चुप्पी साधे थे।

सी.बी.आई. राजनैतिक दबाव के स्पष्ट कारणों की वजह से अभूतपूर्ण जल्दी के साथ आगे बढ़ी एवं काम किया। अब तक एजेंसी दिल्ली सरकार से संबंधित दस्तावेजों की प्रासंगिकता

की व्याख्या करने में सक्षम नहीं थी, जो पूर्ण रूप से या तो निचली अदालत या उच्च न्यायालय में जाँच के उद्देश्य से संबंधित नही है, किन्तु उन्हें 15 दिसम्बर 2015 को खोज वारंट के तहत हड़पने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कार्यालय से अंधाधुंध तरीके से सी बी आई द्वारा जब्त किया गया। यहाँ यह भी उद्धृत करना उचित होगा कि सी बी आई ने कुमार के विरूद्ध कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई तथा तीन दिन तक कुछ घंटों की पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया।

पैराग्राफ 2.2.2.1(iii)(ङ)

फरवरी 2016 में प्रसारित टीवी क्लिपस से स्नेपशॉट

(i) एक व्यक्ति झाड़ू लहरा रहा है जो एक राजनीतिक दल का चिन्ह है।

(ii) एक टीवी क्लिप में प्रदर्शित शीर्षक

(iii) 'आम आदमी पार्टी' कहते हुए एक बैनर के साथ जुलुस

पैराग्राफ 2.2.2.1(iii)(ज)

फरवरी 2016 में प्रसारित टीवी क्लिप

पीछे से एक आवाज में कहता है

'लेकिन उन्होने अड़चने लगाने में कोई कसर नही छोड़ी' तथा *'दिल्ली पुलिस द्वारा अत्याचार–क्रूरता'* प्रदर्शित एक विज्ञापन लिए लोगों का एक जुलुस दिखाया गया।

साथ ही क्लिप में यह टिप्पणियाँ भी सम्मिलित थी यथाः

'केन्द्र सरकार ने सेंट्रल फोर्स भेज कर दिल्ली सरकार की एंटी–करप्शन ब्रांच पर कब्जा किया। मुख्यमंत्री के दफ्तर पर सीबीआई के छापे डलवाए'

पैराग्राफ 2.2.2(iv)

फरवरी 2016 में प्रसारित टीवी क्लिप

एक आवाज कहती है कि

- *"अभी कुछ दिन पहले दिल्ली में एक लड़की को सरेआम 32 बार चाकू से गोद–गोद कर मार डाला गया"*
- *"मैं और मनीष उस लड़की के परिवारवालों से मिलने गए थे"*
- *"वहाँ पर लोग बहुत डरे हुए है। कहना है कि रोज दूर–दूर कहीं भी पुलिस दिखाई नही देती"*
- *"दिल्ली में इस किस्म की घटनाएँ लगातार बढ़ती जा रही है"*
- *"कानून व्यवस्था चरमरा गई है"*
- *"खास तौर पर महिलायें अपने आप को बहुत असुरक्षित महसूस करने लगी है"*

ये प्रधानमंत्री के एक अपील के बाद किया गया यथाः

'मैं देश के प्रधानमंत्री से हाथ जोड़कर अपील करना चाहता हूँ। सर, आप तो जानते है, दिल्ली पुलिस पर दिल्ली सरकार का किसी तरह का कोई कंट्रोल नही है। कानूनन दिल्ली पुलिस सीधे आपके अंडर में आती है। आप उसके लिए बिल्कुल टाइम नही दे पा रहे हैं। आप तो देश के प्रधानमंत्री हैं। आपको पूरा देश सम्भालना है, इसलिये दिल्ली पुलिस पूरी तरह से निरंकुश हो चुकी है। उसपे किसी का कंट्रोल नहीं बचा है। सर, ऐसा नहीं है कि पुलिस वाले खराब है, उनका सिस्टम ही खराब है। वो लोग तो खुद बहुत दुखी है। सर, मेरी आप से एक छोटी सी विनती है। विनम्र विनती है, या तो आप हर हप्ते कम से कम एक घण्टा दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए निकाला कीजिए। दिल्ली पुलिस की जवाबदेही

तय किया कीजिए या फिर दिल्ली पुलिस का कंट्रोल आप हमें दे दीजिए, जनता के साथ मिलकर हम दिल्ली पुलिस की व्यवस्था को ठीक करेंगे। और हाँ जहां मीनाक्षी का कत्ल हुआ था, आनन्द पर्वत पर, वहां के लोग बहुत डरे हुये है प्लीज, वहाँ पर पुलिस का उचित बन्दोबस्त करा दीजिए। शुक्रिया'।